चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
क्षेत्रीय अनुसन्धान केंद्र, उचानी, करनाल
16 से 30 अप्रैल 2026 तक गन्ना किसानों के लिए परामर्श

A+
NAEAB – ICAR
Accredited

वास्तविक फसल क्षेत्र स्थिति

हरियाणा में लगभग 1 लाख हेक्टयेर क्षेत्रफल में गन्ने का उत्पादन होता है। गन्ने की मुख्य एवं प्रचलित अगेती किस्में सीओ 0118, सीओ 15023, सीओ एच 160, सीओ एलके 14201 हैं तथा मध्यम पछेती किस्में सीओ 05011, सीओ एच 119, सीओ 18022 एवं सीओ 13035 हैं। इसके अलावा किसान भाई बिजाई के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 1 नई अगेती किस्म सीओ एच 188, एवं 1 मध्यम पछेती किस्म सीओ एच 179 का चयन कर सकते हैं। ग्रीष्मकालीन बिजाई के लिए केवल मध्यम पछेती किस्मों को अप्रैल के महीने में या गेहूं की कटाई के बाद लगाया जा सकता है।

वास्तविक समय सलाह

सस्य क्रियाएँ

- गन्ने की ग्रीष्मकालीन बिजाई का उपयुक्त समय 15 अप्रैल से 15 मई है। गन्ने के बेहतर अंकुरण और उच्च उत्पादकता के लिए आधा खुड्ड सिंचाई विधि अपनाई जानी चाहिए।
- गन्ने के बेहतर अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिए खेत की तैयारी इस प्रकार की जाये कि मिट्टी भुरभुरी हो और ढेले बिल्कुल न रहें।
- स्वस्थ व रोग रहित गन्ने के उपर का दो तिहाई भाग बिजाई के लिए प्रयोग करें। एक एकड़ के लिए 30 से 35 क्विंटल या 35000 दो आखों वाली या 23000 तीन आखों वाली तिरछी कटी पोरियों की आवश्यकता होती है।
- यदि गन्ना, गेहूँ की कटाई के बाद बोया गया है तो 20 किलोग्राम प्रति एकड फास्फोरस और पोटाश व 30 किलोग्राम नत्रजन बिजाई के समय तथा शेष 30 किलोग्राम नत्रजन जून के अन्त में डालें। यदि जून के महीने में सिंचाई का पानी न मिले तो शेष बची आधी नत्रजन मानसून शुरू होने पर डालें। यदि गन्ना बालु–दोमट भूमि में बोया जाए तो 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें।
- जिन किसानो ने गन्ने के साथ अंतर--फसले लगाई हुई हैं उन्हें कुछ विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए जैसे कि दोनों फसलों की अनुशंसित खुराक को डालना व दोनों फसलों के लिए सुरक्षित शाकनाशी प्रयोग करना। अंतरफसलों की कटाई तक उनकी आवश्यकता के अनुसार सिंचाई और उर्वरकों का प्रयोग करें।
- बसंतकालीन फसल में 20 किलोग्राम प्रति एकड नत्रजन दूसरी सिंचाई तथा 20 किलोग्राम प्रति एकड नत्रजन चौथी सिंचाई के साथ डालें।
- खरपतवारों की रोकथाम के लिए 1.0 किलोग्राम सल्फेंट्राज़ोन 28% + क्लोमाजोन 30% (अथॉरिटी एनएक्सटी 58% घुलनशील पाऊडर) प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में घोलकर बिजाई के तुरंत बाद मिट्टी में उचित नमी में छिड़काव करें। अंतरफसलों में पेंडीमिथालिन 1.25–1.50 लीटर प्रति एकड़ बिजाई के बाद व खरपतवार जमाव से पूर्व 250–300 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करे।
- मोथा (डीला) घास की रोकथाम के लिए सैंपरा (75 प्रतिशत हैलोस्लफयूरान मिथाईल) का 36 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 150 लीटर पानी में घोलकर बिजाई के 35–45 दिन बाद जब मोथा घास 3–5 पत्ती की हो तब फलैट फैन नोजल से छिड़काव करें।

मोढ़ी फसल का प्रबन्धन

- मोढ़ी फसल की अच्छी पैदावार के लिए खेत में खाली स्थान को भरें। इसके लिए उसी किस्म के झुण्ड या पोरियाँ या नर्सरी में उगाये गए पौधों का प्रयोग करें।
- मोढ़ी फसल में 30 किलोग्राम प्रति एकड़ नत्रजन अप्रैल में डालें।

रोग प्रबन्धन

- स्वस्थ व रोग रहित बीज का चुनाव करें।
- बीमारी मुक्त खेत से बीज का चयन करें। यदि किसी बीज के टुकड़े के आँखों तथा दोनों शिराओं में लाली हो तो ऐसे बीज की बिजाई न करें।
- रोगी खेत में कम से कम तीन साल तक फसल–चक्र अपनाएं।
- बीज के लिए उपयुक्त गन्ने का नम गरम शोधन मशीन में 54 डिग्री सै. पर दो घंटे तक उपचारित करें।

- बोने से पहले गन्ने की पोरियों को मैंकोजेब या कारबेन्डाजिम के 0.25 प्रतिशत घोल में 5 मिनट तक उपचार करें। एक एकड़ की बिजाई के लिए पोरियों के उपचार के लिए 500 लीटर पानी में तैयार किया घोल पर्याप्त रहेगा। उपचार करने वाले व्यक्ति के हाथों पर किसी प्रकार कटाव या खरोचें नहीं होनी चाहिए तथा उसे रबड़ के दस्ताने अवश्य पहनने चाहिए।
- 4–5 किलोग्राम ट्राइकोडर्मा को 4–5 क्विंटल गोबर की खाद में मिला कर 1 सप्ताह तक छायादार नमी वाली जगह पर रखें तथा बिजाई के समय खूडों में डालें।
- जिन खेतों में पोक्का बोइंग के लक्षण नजर आ रहे हैं वहां पर कार्बेंडाजिम का स्प्रे 0.2% की दर से करें।

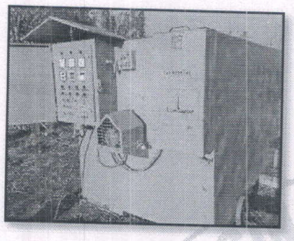

नम गरम शोधन मशीन (MHAT)

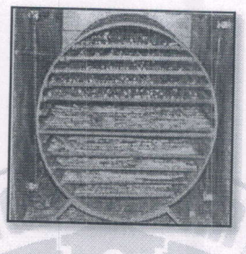

MHAT द्वारा बीज गन्ना उपचार

गन्ना उपचार उपकरण

कीट प्रबन्धन

- दीमक, कंसुआ व जड़ बेधक से बचाव के लिए बिजाई के समय पोरियों के ऊपर प्रति एकड़ 2.5 लीटर क्लोरपायरीफास 20 ई.सी. या 600 मि.ली. फिप्रोनिल 5 एस.सी. का 600 – 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर फव्वारे से छिड़कें अथवा 150 मि.ली. इमिडाक्लोप्रिड को 250 – 300 लीटर पानी में मिलाकर खुड्डों में पोरियों के ऊपर नैपसैक पंप से छिड़काव करें अथवा डरसबान 10 जी. या 10 कि.ग्रा. फिप्रोनिल 0.3 जी. या 7.5 कि.ग्रा. सेविडोल 4 जी. प्रति एकड़ का खुड्डों में भुरकाव करें।

सारांश

स्वस्थ व रोग रहित गन्ने के उपर का दो तिहाई भाग बिजाई के लिए प्रयोग करें। गन्ने की ग्रीष्मकालीन बिजाई में बेहतर अंकुरण और उच्च उत्पादन के लिए आधा खुड्ड सिंचाई विधि अपनाई जानी चाहिए। बीज के लिए उपयुक्त गन्ने का नम गरम शोधन मशीन में 54 डिग्री सै. पर दो घंटे तक उपचारित करें। बोने से पहले गन्ने की पोरियों को मैंकोजेब या कारबेन्डाजिम के 0.25 प्रतिशत घोल में 5 मिनट तक उपचार करें।

अन्य सलाह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग द्वारा समय समय पर जारी मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही सिंचाई व अन्य कृषि क्रियांए करें।

अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें

9416509900 9557587387 9416547443 8708283551 9996904994

क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, उचानी, करनाल

अनुसंधान निदेशालय, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

HARYANA STATE FEDERATION OF COOP. SUGAR MILLS LTD.
BAY NO.49-52, SECTOR-2, PANCHKULA

Endst.No.SMF-2026/CA/ 350-60 Dated 20.04.2026

A copy of the above is forwarded to the followings:-

1. PA to MD for kind information of Worthy MD, HCSMF.
2. Managing Directors of all the coop. sugar mills for information & immediate necessary action, please.

Cane Adviser
for Managing Director